सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 30 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 3 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

ईश्वर ने हमें जन्म दिया है ताकि हम संसार में अच्छे काम करें और बुराई को दूर करें।

-गुरु गोबिंद सिंह

मोदी सरकार ने मीडिया-कोर्ट सब पर किया... 8 | अधिवेशन सफल: भूपेश और होंगे... 3 | अंबाला में दर्दनाक हादसा: डबल डेकर... 7

अमित शाह के कर्नाटक पहुंचने से पहले बीजेपी एमएलए का बेटा घूस लेते हुए गिरफ्तार

मिले साढ़े सात करोड़

भाजपा विधायक ने ली रकम: अधिकारी

अधिकारी ने बताया कि केएसडीएल के चेयरमैन और भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा ओर से ये रकम ली गई है। ऐसे में रिश्वत लेने के इस मामले में पिता और पुत्र दोनों आरोपी है। प्रशांत के पिता मदल वीरुपक्षप्पा कर्नाटक के दावणगेरे जिले के चन्नागिरी से विधायक हैं। उन्होंने कहा- मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसकी जानकारी मुझे मीडिया के जरिए मिली। इस बारे में मैंने अपने बेटे से बात नहीं की है, क्योंकि वह अब लोकायुक्त की कस्टडी में है। मैं किसी टेंडर में शामिल नहीं हूं।

» विधायक के दफ्तर में रंगे हाथों पकड़ा

» प्रशांत ने 80 लाख मांगी थी घूस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। दूसरे दलों के भ्रष्टाचार पर हो-हल्ला मचाने वाली भाजपा के काले कारनामें कर्नाटक में उजागर हुए हैं। कर्नाटक में लोकायुक्त ने भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को 40 लाख रुपए घूस लेते गिरफ्तार किया। गौरतलब हो कि जल्द ही गृहमंत्री अमित शाह का राज्य के दौरे पर जाने वाले हैं। गिरफ्तारी प्रशांत के पिता के बेंगलुरु स्थित कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल) से दफ्तर से हुई। इसके बाद लोकायुक्त अधिकारी प्रशांत के घर पहुंचे। यहां उन्हें लगभग 7.5 करोड़ कैश मिले। गिनती करने के बाद अफसरों ने नोटों के बंडल बिस्तर पर रख दिए।

लोकायुक्त अधिकारियों के मुताबिक, प्रशांत कर्नाटक एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के 2008 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने साबुन और अन्य डिटर्जेंट बनाने के लिए कच्चे माल को खरीदने की डील के लिए एक ठेकेदार से 80 लाख रुपए की डिमांड की थी। जिसके बाद ठेकेदार ने इसकी शिकायत लोकायुक्त से की थी। जिसके बाद प्रशांत को रंगे हाथ पकड़ने के लिए योजना बनाई गई। सूत्रों के अनुसार प्रशांत के पास से कैश के तीन बैग बरामद किए मदल विरुपक्षप्पा राज्य के स्वामित्व वाली केएसडीएल के अध्यक्ष हैं। यह प्रसिद्ध मैसूर सैंडल साबुन बनाती है। उनका बेटा बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड में मुख्य लेखाकार हैं। मदल विरुपक्षप्पा दावणगेरे जिले के चन्नागिरी से विधायक हैं। उधर इस मामले को लेकर राज्य की प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, जेडीएस ने बोम्मई सरकार को घेरा है। इस कांड के बाद वहां कि सियासत मे तूफान आना सुनिश्चित हो गया है। क्योंकि वहां इसी साल विधानसभा चुनाव होनें हैं। पूरा अनुमान है कि यह मुद्दा चुनावों में बड़ा हो सकता है।

जांच में सरकार दखल नहीं देगी : सीएम बोम्मई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने इस मुद्दे पर कहा कि लोकायुक्त कार्यालय स्वतंत्र जांच करेगा। उन्होंने विपक्षी कांग्रेस पर भी हमला बोला। सीएम बोम्मई ने कहा, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए हमने लोकायुक्त की फिर से स्थापना की है। कांग्रेस के शासन काल में लोकायुक्त के भंग होने से भ्रष्टाचार के बहुत सारे मामले बंद हो गए थे। हम उन मामलों की जांच करेंगे जिन्हें बंद कर दिया गया था। लोकायुक्त एक स्वतंत्र संस्था है और हमारा स्टैंड स्पष्ट है, संस्था स्वतंत्र रूप से जांच करेगी और सरकार इसमें दखल नहीं देगी। हमारा मकसद भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लोकायुक्त के पास सारा ब्योरा है, पैसा किसका था, कहां से आया, सब कुछ सामने आना चाहिए।

“ बीजेपी ने कर्नाटक को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेल दिया है। समय आ गया है कि इस विधायक को गिरफ्तार और इंडस्ट्री मिनिस्टर को बर्खास्त किया जाए। सीएम बोम्मई यह बताएं कि कितना पैसा ऊपर तक पहुंच रहा था और भ्रष्टाचार के इस खेल में कौन-कौन शामिल है।

रनदीप सिंह सुरजेवाला कांग्रेस नेता

मप्र विधानसभा अध्यक्ष करते हैं पक्षपात व अन्याय : कमलनाथ

» अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने मध्यप्रदेश के विधान सभा अध्यक्ष पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समय पर अविश्वास प्रस्ताव भी लाएंगे। विधानसभा के बजट सत्र के बाकी सत्र से जीतू पटवारी को निलंबित करने पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने अपने निवास पर कहा कि हम नियम के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। अध्यक्ष ने पक्षपात किया है।

यह हर नियम और सिद्धांत के खिलाफ है। हम इस अध्यक्ष से न्याय की उम्मीद नहीं कर सकते। संख्या बल के सवाल पर नाथ ने कहा कि सब जानते है कि उनका संख्या बल ज्यादा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जो हमारी भावना है, उसे व्यक्त ना करें। पीसीसी चीफ ने कहा कि मध्यप्रदेश की विधानसभा और हर विधानसभा इसलिए बनाई है कि हम अपनी बात रखे। कोई ऐसा मुद्दा नहीं था, जिसका सबूत नहीं था।

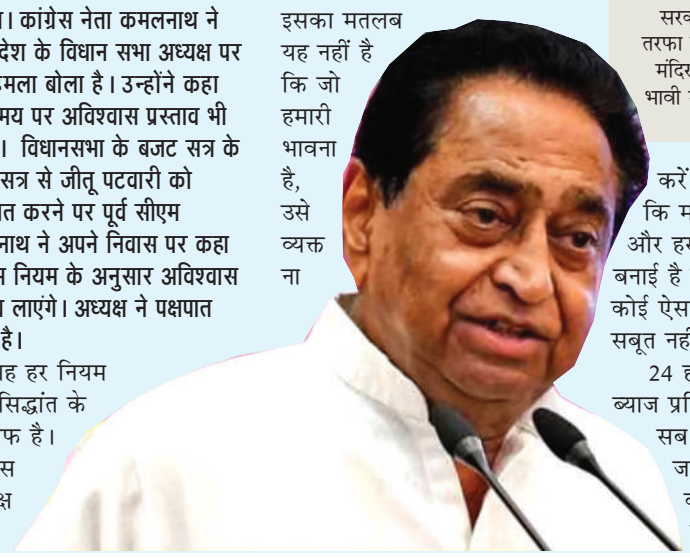

24 हजार करोड रूपए का ब्याज प्रति साल दिया जा रहा है। सब मुद्दों पर जवाब देने की जगह यह पहले से तय करके आए थे कि सदन नही चलने देंगे। इनकी योजना है कि सदन नहीं चले। नाथ ने कहा कि एक सदस्य का निलंबन करना। गला घोटना है। हमने यह तय किया है। हम अध्यक्ष के खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में खाना और नाश्ते को लेकर सवाल किया है। सब ने मिलकर तानाशाही चलाई। अध्यक्ष जी पार्टी के सदस्य बनकर यह निलंबन का काम कर रहे है।

निलंबन करना कोई बड़ी बात नहीं

वहीं, जीतू पटवारी ने कहा कि निलंबन करना कोई बड़ी बात नहीं है। बात यह है कि जिस आदमी ने सच्चाई और निष्ठा की कसम खाई वह निलंबन का आदेश सरकार के कहने पर कर रहा है। सच का सामना यह नहीं कर सकते है। एक तरफा कर्जा लेना और दूसरी तरफ सरकारी संपत्ति बेचना। यह लोग लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित कर रहे है। इसका खामियाजा सभी को भुगतना पड़ेगा। हम भावी मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में भाजपा का विरोध करेंगे। कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो इस विषय पर कार्यवाही करेंगे।

मोदी सरकार के खिलाफ और मुखर होगी आप

» पूरे दिल्ली में करेंगे नुक्कड़ सभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा व केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार अभियान शुरू करने की घोषणा की है। आप सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता बैठक करेंगे, जबकि शनिवार को प्रदेश कार्यालय में मोहल्ला सभा के लिए बैठक होगी। वहीं, सोमवार व मंगलवार को सभी पोलिंग स्टेशनों पर मोहल्लों में बैठक की जाएगी, जबकि 10 मार्च से 2500 नुक्कड़ सभाएं करने का सिलसिला शुरू होगा। प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने भाजपा के खिलाफ शुरू किए जाने वाले अभियान के संबंध में संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि पीएम ने तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाते हुए मनीष सिसोदिया व सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया है। इसके पीछे के असली सच को लोगों तक पहुंचाने के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों और पार्षदों के साथ बैठक की थी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भाजपा की हर साजिश का जवाब दिया जाएगा। हम जनता के बीच जाएंगे और जगह-जगह मोहल्ला सभा आयोजित कर लोगों को बताएंगे कि यह भ्रष्टाचार का मुद्दा नहीं है, बल्कि आम आदमी पार्टी को रोकने के लिए प्रधानमंत्री की ओर से किया गया षड्यंत्र है। भाजपा शराब घोटाले में सिसोदिया पर पैसे खाने का आरोप लगा रही है, जबकि केंद्र सरकार की एजेंसियां छह महीने से सिसोदिया के घर, बैंक, लॉकर और गांव में छापे मार रही हैं, लेकिन सीबीआई को एक चवन्नी नहीं मिली।

केंद्र सरकार के अनुरुप चलती हैं पूर्वोत्तर की पार्टियां : खरगे

» बोले-हमने कम सीटों पर लड़ा था चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तीन राज्यों के चुनावों के परिणाम पर बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वे छोटे राज्य हैं जो केंद्र सरकार के रुझान के अनुरूप हैं। त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में हुए मतगणना के दौरान चुनाव संबंधी सवाल पर खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी ने कम सीटों पर चुनाव लड़ा था और पार्टी ने सोचा था कि गठबंधन से बहुमत हासिल हो सकता है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, वह छोटे राज्यों का चुनाव है। आमतौर पर पूर्वोत्तर की पार्टियां केंद्र सरकार के रुझान के साथ चलती हैं। हालांकि, वहां कई नेता राष्ट्रीय राजनीति के लिए प्रतिबद्ध हैं और वे कांग्रेस और धर्मनिरपेक्ष दलों का समर्थन करते हैं।

कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि राजीव गांधी के नेतृत्व में सेना ने 1987 में बहादुरी से लड़ाई लड़ी और सीमा पर चीनियों को पीछे खदेड़ दिया। यह महत्वपूर्ण है कि कांग्रेस एक प्रगतिशील भारत के लिए एक बार फिर मजबूत बने। श्रीपेरंबदूर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि 1986 में राजीव गांधी ने चीनी विरोध के बावजूद अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा दिया। बाद में 1987 में तवांग में सैन्य गतिरोध के दौरान भारत सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि हम सीमा पर अपने दावों को न छोड़ें। इस प्रकार, भारतीय सेना के नेतृत्व में खड़गे ने कहा, राजीव गांधी ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और चीनियों को पीछे धकेल दिया। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी द्वारा यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए जरूरी है कि कांग्रेस एक बार फिर मजबूत बने। आधुनिक और प्रगतिशील भारत का निर्माण केवल कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है।

समाजवाद को नकारने वाले संविधान विरोधी

» शिवपाल बोले-प्रस्तावना में है समाजवाद का उल्लेख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनुपस्थिति में और उनका नाम लिए बगैर शिवपाल सिंह यादव ने विधान सभा में उन पर निशाना साधा। यह कहते हुए कि जो लोग कहते हैं कि समाजवाद की जरूरत नहीं है, वो संविधान विरोधी हैं। गौरतलब है कि योगी ने समाजवाद को पाखंड बताया था।

विधान सभा में शिवपाल उठे तो थे जलशक्ति विभाग की बजट मांगों पर कटौती प्रस्ताव पेश करने के लिए लेकिन इस मौके पर योगी पर तंज कसने से नहीं चूके। शिवपाल ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद का उल्लेख है। हम सभी विधायकों ने संविधान की शपथ ली है। यह कहना कि समाजवाद की जरूरत नहीं है, संविधान विरोधी कथन है। उन्होंने कहा कि समाजवादी डॉ. राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और आचार्य नरेंद्र देव जैसे राष्ट्रनायकों का सपना था। अटल बिहारी वाजपेयी ने भाजपा को समाजवाद अपनाने की लिखित सलाह दी थी। शिवपाल ने राजधानी लखनऊ की गोमती रिवर फ्रंट परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार ने इसका 95 प्रतिशत काम पूरा कर लिया था। इस परियोजना की निगरानी के लिए 25 अफसरों की कमेटी थी। उस कमेटी के सदस्य अफसर आज भी सरकार के साथ काम कर रहे हैं। सरकार चाहती तो सच्चाई उनसे भी मालूम कर सकती थी। किसी अधिकारी ने स्वार्थ में झूठ बोल दिया तो भाजपा सरकार ने परियोजना का काम रुकवा दिया। उन्होंने जलशक्ति मंत्री से कहा कि गोमती रिवर फ्रंट परियोजना का काम तो पूरा करा देते। सत्ता पक्ष को जवाब दिया कि मेरे सिंचाई रहते प्रदेश में एक भी बांध नहीं टूटा था लेकिन पिछले एक साल में चार बांध टूटे।

समाजवाद ही होता है रामराज्य का प्रस्थान बिंदु : अखिलेश

रामचरितमानस पर टिप्पणी के बाद सपा व भाजपा में शुरू राजनीति अब रामराज्य व समाजवाद पर आ गई है। रामराज्य की परिकल्पना को साकार किए जाने में समाजवाद की भूमिका पर वाद- प्रतिवाद होने लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवाद पर हमला बोलते हुए इसे बहरूपिया ब्रांड बता दिया था। समाजवाद दुनिया के अंदर कहीं भी समृद्धि नहीं लाया है। वहीं, अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रामराज की कल्पना को एक बार फिर समाजवाद से जोड़ते हुए ट्वीट किया रामराज्य का प्रस्थान बिंदु समाजवाद ही होता है।

भाजपा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन को करेंगे उजागर : सीएम सुक्खू

» श्वेत पत्र लाएगी हिमाचल सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पूर्व की भाजपा सरकार का वित्तीय कुप्रबंधन दिखाने को सुक्खू सरकार विधानसभा के बजट सत्र में श्वेत पत्र लाएगी। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा ने किस प्रकार हिमाचल को आर्थिक बदहाल किया है। इसकी जानकारी विधानसभा से लेकर जनता के बीच जाकर बताई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सरकार और संगठन में समन्वय को और मजबूत बनाने के लिए हर माह प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में एक दिन एक मंत्री को बैठाने का भी एलान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह से इस बारे में बीते दिनों चर्चा हुई थी। वीरवार को मैंने खुद पार्टी मुख्यालय में बैठकर समस्याएं सुनकर इस प्रक्रिया को शुरू कर दिया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

A leading term of sale & utility services
G.K.TRADERS
Sales & Services

HAVELLS
RR KABEL WIRES & CABLES
PHILIPS
USHA

Havell's, RR Switch, CAP, USHA PUMP & FAN,
Phillips and all kind of Electrical Goods.
G.K.TRADERS
Sales & Services
TAKHWA, VIRAJ KHAND-5, Gomti Nagar, Lucknow -226010
Contact : 9335016157, 9305457187

अधिवेशन सफल : भूपेश और होंगे प्रबल

» उम्दा आयोजन करवाने पर कांग्रेसी गदगद

» पार्टी में बढ़ सकता है रुतबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। कांग्रेसी राजनीति में महाधिवेशन के बाद छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल का कद बढ़ना तय है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कांग्रेस के गांधी-नेहरू परिवार की मिजाजपुर्सी का विपक्षी खेमे की ओर से चाहे जितना भी आरोप लगा हो, लेकिन इस महाधिवेशन की कामयाबी के बाद कांग्रेसजनों की नजर में उनका भाव चढ़ गया है।

इसका फायदा वे आगामी विधानसभा चुनावों में उठाने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस अपने गठन के 138वें साल में प्रवेश कर चुकी है। इस अवधि में उसके 85 महाधिवेशन हो चुके हैं। रायपुर से सटे नवा रायपुर में हुए 85वें अधिवेशन के जैसे इंतजाम रहे, कम से कम उससे कांग्रेसी खेमे में संतुष्टि का भाव नजर आ रहा है। रायपुर में हुआ कांग्रेस महाधिवेशन राजनीतिक तौर पर कितना सफल हुआ, कांग्रेस की भावी चुनावी सफलता और विपक्षी खेमे में उसकी स्वीकार्यता पर इसका आकलन निर्भर करेगा। इस अधिवेशन को रायपुर में कराने का प्रस्ताव भूपेश बघेल ने दिया था। कांग्रेस के पहले परिवार से अपनी नजदीकी के चलते इसे आयोजित कराने के लिए आलाकमान की सहमति लेने में भी कामयाब रहे। कांग्रेसी हलकों में कहा जा रहा है कि उनके आयोजन को खराब करने की कोशिश भी हुई।

प्रवर्तन निदेशालय के छापे से भी नहीं डिगे

प्रवर्तन निदेशालय के छापे भी इस दौरान चलते रहे। कांग्रेसियों का कहना है कि प्रवर्तन निदेशालय का छापा महाधिवेशन का इंतजाम देख रहे कारोबारी के घर भी पड़ा। लेकिन वह पीछे नहीं हटा। जिससे आयोजन पर असर नहीं पड़ा। कांग्रेसी जानकार कहते हैं कि इसके सफल आयोजन के पीछे भूपेश बघेल की अपनी टीम का हाथ रहा। जिसमें दो पूर्व पत्रकार समेत कुछ अधिकारी शामिल हैं। लगातार तीन दिनों तक चले महाधिवेशन में देशभर से करीब पंद्रह हजार कांग्रेसी जुटे। आखिरी दिन सभा भी हुई। उस दिन रायपुर में करीब एक लाख से ज्यादा की भीड़ जनसभा में जुटी। कांग्रेस संगठन का भीड़ जुटाने में सरकारी तंत्र का आरोप भाजपा ने लगाया है। लेकिन विधानसभा चुनावी वर्ष में इतनी भीड़ जुटना कांग्रेसी मामूली बात नहीं मानते। इसकी वजह से माना जा रहा है कि भूपेश बघेल एक बार फिर कांग्रेस आलाकमान का भरोसा जीतने में कामयाब रहे। कांग्रेस में उनके विरोधी टीएस सिंहदेव कुछ महीने तक बगावती तेवर अख्तियार किए हुए थे। माना जा रहा है कि कांग्रेस महाधिवेशन की सफलता के बाद उनका असर कम होगा।

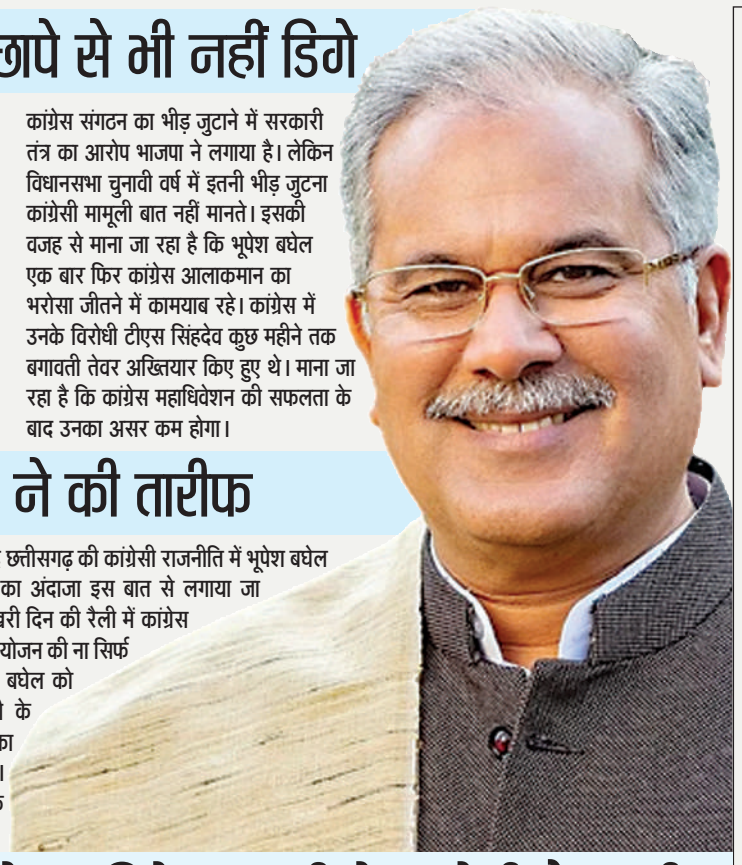

राहुल व प्रियंका ने की तारीफ

महाधिवेशन के बाद छत्तीसगढ़ की कांग्रेसी राजनीति में भूपेश बघेल का कद के बढ़ने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आखिरी दिन की रैली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आयोजन की ना सिर्फ तारीफ़ की, बल्कि बघेल को बधाई भी दी। बघेल कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के नजदीकी माने जाते हैं। प्रियंका के स्वागत में बघेल ने प्रियंका की राह में गुलाब की पंखुड़ियों का गलीचा बिछा दिया। इसकी आलोचना होनी थी और हुई भी। इसे राजनीतिक हलकों में अच्छे संदर्भ में नहीं लिया गया।

खर्च को लेकर विरोधी दलों का निशाना

इस महाधिवेशन पर होने वाले खर्च कांग्रेस विरोधी दलों के निशाने पर रहेंगे ही। इस महाधिवेशन के लिए देश भर से पंद्रह हजार से ज्यादा लोग रायपुर में जुटे। भूपेश बघेल की टीम ने सबके ठहरने का बेहतर इंतज़ाम किया। अधिवेशन स्थल पर वाईफाई, अस्पताल, प्रदर्शनी, लाउंज, आरामकक्ष और पार्टी के सर्वोच्च नेताओं के लिए अस्थायी दफ्तर बनाया गया था। इस आयोजन में चाहे बड़ा नेता हो या छोटा कार्यकर्ता, सबके लिए भूपेश की टीम ने एक समान भोजन का इंताजम किया था। इस आयोजन पर सरकारी धन का भी खर्च हुआ। सभी आगंतुकों को छत्तीसगढ़ मॉडल को लेकर किताबें और उपहार आदि भी दिए गए। इससे महाधिवेशन में शामिल कांग्रेसी गदगद हैं। इसके चलते माना जा रहा है कि इस आयोजन के जरिए बघेल ने कांग्रेस में लम्बी लकीर खींच दी है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें चुनौती देने के लिए नए हथियार तलाशने होंगे।

वाई राजशेखर रेड्डी के अधिवेशन की पेश होती है नजीर

कांग्रेस में सक्रिय आज की पीढ़ी के बीच अब तक हैदराबाद अधिवेशन की जमकर चर्चा होती थी। उस अधिवेशन का इंतजाम आंध्र प्रदेश के दिग्गज कांग्रेसी नेता वाई राजशेखर रेड्डी ने किया था। महज डेढ़ साल पहले ही उन्होंने अपने दम पर आंध्र प्रदेश की सत्ता पर कांग्रेस को काबिज कराया था। 2004 में केंद्रीय राजनीति में कांग्रेस की वापसी में भी आंध्र प्रदेश ने बड़ी भूमिका निभाई थी। तब आंध्र प्रदेश की 42 सीटों में से कांग्रेस ने अकेले 29 और उसकी सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टियों ने दो सीटें जीती थीं। लोकसभा के साथ हुए विधानसभा चुनाव की 294 सीटों में से कांग्रेस ने जहां वाईएसआर की अगुआई में 185 सीटें जीती थीं, वहीं उसकी सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टियों को पंद्रह सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इसके साथ ही कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। जाहिर है कि दोनों जीतों और अरसे से आंध्र की सत्ता पर काबिज तेलुगू देशम को पराजित करने का असर दो साल बाद हुए हैदराबाद कांग्रेस महाधिवेशन पर दिखा। वाईएसआर ने महाधिवेशन को कामयाब बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी।

तमिलनाडु में 'पलानी' की छांव में 'बीजेपी'

» एआईएडीएमके के सहयोग से मिलेगी सियासी मजबूती

» सीटों के बटवारे पर भी रहेगा इपीएस का प्रभाव

» डीएमक से मिलेगी कड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण भारत के अहम प्रदेश तमिलनाडु में अपनी पकड़ बनाने में जुटी भाजपा को एआईएडीएमके के सहारे की जरूरत है। पर जबसे एडप्पादी पलानीस्वामी के हाथ में पार्टी की कमान आई है वह बीजेपी को खुले हाथ देने के मूड में नही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीटों के बंटवारे से लेकर कैंडिडेट तक का फैसला एआईएडीएमके नेता अपने हाथों में रखना चाहते हैं।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले तस्वीर अब काफी हद तक साफ हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जयललिता की पार्टी अन्नाद्रमुक की कमान अब पूरी तरह से एडप्पादी पलानीस्वामी (इपीएस) के हाथ में आ चुकी है, लेकिन उन्होंने अभी से अपनी सहयोगी बीजेपी को साफ कर दिया है इस बार सीटों के बंटवारे का फैसला अन्नाद्रमुक ही लेगी कि कौन, कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीर सेल्वम ,शशिकला और दिनाकरण को पार्टी ने निष्कासित कर दिया है।

जयललिता के निधन बाद शुरू हुई कलह

बता दें कि साल 2016 में जयललिता के निधन के बाद एआईएडीएमके में सत्ता को लेकर अंदरुनी विवाद छिड़ गया। जयलिलता की करीबी दोस्त शशिकला ने पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जा बैठीं. इसके बाद पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर पार्टी के भीतर खींचतान का सिलसिला शुरू हुआ, जो आज तक जारी है. इसकी वजह से एआईडीएमके की 2019 में बुरी हार हुई। पार्टी में अंदरूनी कलह मच गई। ओपीएस ने मुख्यमंत्री के उम्मीदवार पद को छोड़ दिया। ईपीएस को 2021 विधानसभा चुनाव में सीएम पद का प्रत्याशी बनाया गया, तभी से पार्टी ईपीएस और ओपीसी कैंप में बंट कर रह गई है।

इसलिये सवाल है कि अब इन तीनों का क्या होगा और क्या वे नई पार्टी बनाकर अन्नाद्रमुक के वोट बैंक में सेंध लगाएंगे।

तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीटें हैं। साल 2019 के चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को जबरदस्त सफलता मिली थी। डीएमके+ ने राज्य की 39 सीटों में से 37 पर जीत दर्ज की थी। जबकि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) को महज एक ही सीट हासिल हुई थी। इसकी बड़ी वजह थी कि पलानीस्वामी और ओ पनीर सेल्वम गुट के बीच पार्टी के कब्जे को लेकर जबरदस्त लड़ाई छिड़ी हुई थी,जिसका खामियाजा पूरी पार्टी को भुगतना पड़ा. पूर्व मुख्यमंत्री शशिकला और दिनाकरण भी पनीरसेल्वम गुट के साथ थे जिसका नतीजा ये हुआ कि अपने मजबूत गढ़ में भी पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा,हालांकि उससे पहले साल 2014 के लोकसभा चुनाव मे एआईएडीएमके को 37 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि बीजेपी और पीएमके को 1-1 सीट मिली थी, लेकिन तब जयललिता जिंदा थीं और उनका जलवा भी बरकरार था।

अब पार्टी की पूरी कमान पलानीस्वामी के हाथों में आ जाने से उनकी स्थिति मजबूत हो गई है, लिहाजा वे अपनी शर्तों पर ही बीजेपी के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। जबकि इधर,बीजेपी का लक्ष्य है कि कर्नाटक में सत्ता हासिल हो जाने के बाद तमिलनाडु में भी पार्टी की सियासी जमीन मजबूत की जाये। इस सूरत में उसकी कोशिश होगी कि कम से कम 30 फीसदी सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवार चुनाव -मैदान में हों, लेकिन पलानीस्वामी के तेवरों से नहीं लगता कि वे इतनी आसानी से बीजेपी को इतनी सीटें दे ही देंगे। बीते दिनों हुई पार्टी नेताओं की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक के अंतरिम महासचिव पलानीस्वामी ने संसदीय सीटों के बंटवारे को लेकर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। उन्होंने साढ़े लहजे में कहा है कि संसदीय के लिए सीटों के बंटवारे पर अबकी बार फैसला एआईएडीएमके ही करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी मुख्यालय में तमाम जिला सचिवों की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें पार्टी के सांसद, विधायक और प्रवक्ता भी शामिल हुए थे। एआईएडीएमके के प्रवक्ता डी जयकुमार ने कहा था कि बीजेपी के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर पलानीस्वामी ही बीजेपी नेताओं से चर्चा करेंगे लेकिन अंतिम फैसला हमारा ही होगा कि कौन,कितनी सीटों पर कहाँ से चुनाव लड़ेगा। उन्होंने पार्टी में आंतरिक संघर्ष की खबरों की निंदा करते हुए कहा था। हमारी पार्टी के भीतर कोई मुद्दा नहीं है.हम सभी एकजुट हैं.हमने ओ पन्नीरसेल्वम, शशिकला या टीटीवी दिनाकरण पर चर्चा नहीं की क्योंकि वे हमारी पार्टी में नहीं हैं। पन्नीरसेल्वम हमारी पार्टी के झंडे और प्रतीक पर कैसे दावा कर सकते हैं,जबकि वह हमारी पार्टी में ही नहीं हैं। दरअसल, बीते दिनों ही सर्वोच्च अदालत ने पलानीस्वामी को पार्टी महासचिव के तौर पर काम जारी रखने की हरी झंडी दे दी है। इसे पालनिसामी के विरोधी ओ पन्नीरसेल्वम गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बता दें कि पलानीस्वामी और पन्नीरसेल्वम के बीच पार्टी पर कब्जे को लेकर विवाद है, इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु हाईकोर्ट की डिविजन बेंच के फैसले को बरकरार रखा है।

तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीटें है

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एकतरफा न किया जाए भ्रष्टाचार पर प्रहार

देश में एक नेता भी किसी पार्टी में आपको ऐसा नहीं मिल सकता जो शपथपूर्वक यह कह दे कि उसने कभी भ्रष्टाचार नहीं किया है। जब चुनावों में करोड़ों-अरबों रुपए खर्च होते हैं तो इतना पैसा आप कहां से लाएंगे? कई पार्टियों के शीर्ष नेताओं को अपने उम्मीदवारों से यह कहते हुए कि तुम इतने करोड़ रुपए पहले लाओ, फिर तुम्हें टिकिट मिलेगा। सरकार के कई बड़े अफसर और यहां तक न्यायाधीशों ने, जो कभी मेरे सहपाठी रहे हैं, मुझसे कहा है कि हमें पैसा खाने के लिए मजबूर किया जाता है, हमारे नेताओं द्वारा! कई खास-खास पदों पर कई चुनिंदा लोगों की नियुक्ति भी इसीलिए की जाती है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना जरूरी है, मगर यह एकतरफा नहीं होनी चाहिए। मोदी सरकार नेताओं और अफसरों के भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए ये छापे और गिरफ्तारियां कर रही है इसका सब समर्थन करते हैं। लेकिन और ज्यादा अच्छा होता ये छापे भाजपा के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और अफसरों पर भी पड़ते। दिल्ली राज्य के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने शराब-विक्रेताओं से लगभग 100 करोड रु. लिए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में आप पार्टी के वित्त मंत्री सत्येन्द्र जैन पिछले कई महीनों से जेल काट रहे हैं। सिसोदिया पर भ्रष्टाचार के आरोप की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। उसने दिल्ली सरकार के कई अफसरों, शराब व्यापारियों और दलालों के पहले से जेल में डाल रखा है। निदेशालय ने इन लोगों के घरों ओर मोबाइल फोनों पर छापे मारकर कुछ तथाकथित ठोस प्रमाण भी जुटाए हैं लेकिन मनीष सिसोदिया के घर और बैंक में की गई तलाशियों में निदेशालय को अभी तक कुछ हाथ नहीं लगा है। फिर भी उन्हें गिरफ्तार इसलिए किया गया है क्योंकि उनका एक सहयोगी ही प्रवर्तन निदेशालय की शरण में चला गया है और उसने सब रहस्य खोल दिए हैं।

जाहिर है कि प्रवर्तन निदेशालय केंद्र सरकार के इशारे के बिना यह कार्रवाई क्यों करता? यह तो सबको पता है कि यदि आपको राजनीति करनी है तो भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार है, इस सिद्धांत को मानना पड़ेगा। केजरीवाल और सिसोदिया क्या, यदि गांधी और विनोबा भी चुनावी राजनीति में उलझ जाते तो उन्हें भी मजबूरन वही करना पड़ता, जो सभी नेता आजकल करते हैं। देश में एक नेता भी किसी पार्टी में आपको ऐसा नहीं मिल सकता जो शपथपूर्वक यह कह दे कि उसने कभी भ्रष्टाचार नहीं किया है। जब चुनावों में करोड़ों-अरबों रुपए खर्च होते हैं तो इतना पैसा आप कहां से लाएंगे? कई पार्टियों के शीर्ष नेताओं को अपने उम्मीदवारों से यह कहते हुए कि तुम इतने करोड़ रुपए पहले लाओ, फिर तुम्हें टिकिट मिलेगा। सरकार के कई बड़े अफसर और यहां तक न्यायाधीशों ने, जो कभी मेरे सहपाठी रहे हैं, मुझसे कहा है कि हमें पैसा खाने के लिए मजबूर किया जाता है, हमारे नेताओं द्वारा! कई खास-खास पदों पर कई चुनिंदा लोगों की नियुक्ति भी इसीलिए की जाती है। जो कार्रवाई बीबीसी, पवन खेड़ा और मनीष सिसोदिया वगैरह के खिलाफ हुई है, वही कार्रवाई सत्ता से जुड़े लोगों पर क्यों नहीं हुई? अगर हो जाती तो दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जाता। इसमें शक नहीं है कि आम आदमी पार्टी भाजपा के लिए इस समय बड़ी चुनौती नहीं है लेकिन इस तरह के छापे डलवाकर आप पार्टी के प्रति भाजपा सहानुभूति की लहर उठवा रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी कुछ दिनों बाद अंदर भेज दिए जाएं लेकिन ऐसी कार्रवाइयां एकतरफा होती रहीं तो यह सत्ता पक्ष के लिए सिरदर्द बन सकती हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पिघलते ग्लेशियरों से बाढ़ का खतरा

ज्ञानेन्द्र रावत

मौसम में दिनोदिन आ रहा बदलाव एक भीषण समस्या बन चुका है। ग्लोबल वार्मिंग ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। नये शोध इस बात के प्रमाण हैं कि भले ही ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रोक दिया जाये, इसके बावजूद दुनिया में तकरीबन दो लाख पंद्रह हजार ग्लेशियरों में से आधे से ज्यादा और उनके द्रव्यमान का एक-चौथाई हिस्सा इस सदी के अंत तक पिघल जायेगा। बीती सदी में समुद्र के जल स्तर में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका एक-तिहाई हिस्सा ग्लेशियरों के पिघलने से आया है। दरअसल ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर के ग्लेशियर पिघल-पिघलकर टुकड़ों में बंटते चले गये। इसका कारण पर्वतीय इलाकों में तापमान में बढ़ोतरी की दर दोगुना होना है।

चिंता यह कि ग्लेशियर पिघलने से बनी झीलों से आने वाली बाढ़ से भारत समेत समूची दुनिया के तकरीबन डेढ़ करोड़ लोगों के जीवन पर खतरा मंडराने लगा है। ब्रिटेन के न्यू कैसल यूनिवर्सिटी के शोध से इसका खुलासा हुआ है। नेचर कम्युनिकेशंस नामक जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के डेढ़ करोड़ लोगों में सबसे ज्यादा खतरा भारत के लोगों को है, जहां तीस लाख से ज्यादा लोगों का जीवन ग्लेशियर से आने वाली बाढ़ के कारण खतरे में है। इसके बाद पाकिस्तान का नम्बर है, जहां करीब 7000 से ज्यादा ग्लेशियर हिमालय, हिन्दूकुश और कराकोरम पर्वत शृंखलाओं में मौजूद हैं जहां की बीस लाख से भी ज्यादा आबादी पर यह खतरा मंडरा रहा है। शोधकर्ताओं की टीम के प्रमुख केरोलिन टेलर की मानें तो उनकी टीम के शोधकर्ताओं ने पूरी दुनिया में 1089 ग्लेशियर झीलों की घाटी की पहचान की है। इन ग्लेशियरों की घाटियों के 50 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों की तादाद शोधकर्ताओं ने 1.5 करोड़ आंकी है। यह आबादी भारत, पाकिस्तान, चीन और पेरू की है। रिपोर्ट के मुताबिक उपग्रह द्वारा साल 2020 में किए गये अध्ययन में बताया गया है कि बीते 30 सालों में ग्लोबल वार्मिंग में 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जिसके कारण दुनिया के ग्लेशियरों से बनी झीलें टुकड़ों में बंट गयीं।

गौरतलब है कि जैसे-जैसे जलवायु गर्म होती है, उसी तेजी से ग्लेशियर पिघलते हैं। यह पिघला हुआ पानी ग्लेशियर के आगे जमा हो जाता है और वह झील का रूप अख्तियार कर लेता है। ये झीलें अचानक फट भी सकती हैं। झीलों का तेज बहता पानी 120 किलोमीटर से भी अधिक इलाके को अपनी जद में ले लेता है। यह बाढ़ काफी भयावह और विनाशकारी होती है। गौरतलब है कि 1990 के बाद से

जलवायु परिवर्तन के चलते ऐसी झीलों की तादाद में काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। 2021 में फरवरी माह में उत्तराखंड के चमोली जिले में आयी बाढ़ ऐसी ही आपदा का परिणाम थी। दरअसल, तापमान में बढ़ोतरी और जलवायु में बदलाव को रोकने की दिशा में जो भी अभी तक प्रयास किए गये हैं, उनका कोई कारगर परिणाम सामने नहीं आ सका है। याद रहे जीवाश्म ईंधन जलाने से मानव इतिहास में जितना उत्सर्जन हुआ है, उसका आधा बीते केवल 30 सालों में ही हुआ है। यदि 2015 में जारी वैश्विक तापमान बढ़ोतरी के 10 सालों के औसत पर नजर डालें तो पता चलता है कि औद्योगिक क्रांति से पूर्व की तुलना में तापमान में 0.87 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गयी थी जो 2020 में यानी केवल पांच साल में ही बढ़कर 1.09 डिग्री सेल्सियस हो गयी। केवल पांच साल में इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी हालात की गंभीरता की ओर इशारा करती है। कानेंगी मेलन यूनिवर्सिटी और फेयरबैंक्स यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार यदि जलवायु परिवर्तन की दर इसी तरह बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया के दो-तिहाई ग्लेशियरों का अस्तित्व ही खत्म हो जायेगा। यदि दुनिया आने वाले दिनों में वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने में कामयाब रहती है उस हालत में भी आधे ग्लेशियर गायब हो जायेंगे। लेकिन हमारे पास क्षमता है कि हम ग्लेशियर के पिघलने की दर को सीमित कर उसके अंतर को कम कर सकते हैं। हालांकि छोटे ग्लेशियरों के लिए तो काफी देर हो चुकी है और वह विलुप्ति की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका सीधा-साधा मतलब है कि 2100 तक दुनिया के ग्लेशियरों का 32 फीसदी हिस्सा यानी 48.5 ट्रिलियन मीट्रिक टन बर्फ पिघल जायेगी।

इससे जहां बाढ़ का खतरा बढ़ेगा, वहीं समुद्री जल स्तर में और 115 मिलीमीटर की बढ़ोतरी होगी। समुद्र के जलस्तर में यदि 4.5 इंच की बढ़ोतरी होती है तो समूची दुनिया में तकरीबन एक करोड़ से अधिक लोग उच्च ज्वार रेखा से नीचे होंगे। तात्पर्य यह कि समुद्र तटीय रहने वाले लोग इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के अलावा बढ़ती मानवीय गतिविधियां और जरूरत से ज्यादा दोहन भी ग्लेशियरों के पिघलने का एक बहुत बड़ा कारण है। ग्लेशियरों पर मंडराते संकट को नकारा नहीं जा सकता। यदि यह पिघल गये तो ऐसी स्थिति में सारे संसाधन खत्म हो जायेंगे और ऐसी आपदाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी।

वैश्विक प्रतिद्वंद्विता से सुलगता रूस-यूक्रेन युद्ध

जी. पार्थसारथी

पूर्व रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के अयोग्य और भ्रमित नेतृत्व के चलते 26 दिसम्बर, 1991 को सोवियत संघ का विघटन हो गया। रूस के घटक रहे 16 सोवियत गणतंत्र पूर्ण स्वतंत्रता पाकर अलग हो गए। इस टूटन का रोचक पहलू यह रहा कि लगभग सभी पूर्व घटकों में बड़ी संख्या में बसे रूसी मूल के लोग इस अलहदगी के बाद भी अपनी जगह बने रहे। आज भी हजारों रूसी उन इलाकों में रह रहे हैं और वहां पर ज्यादातर रूसी बोली जाती है। पूर्व सोवियत संघ से जुड़े इन गणराज्यों के अपने पड़ोसी मुल्कों के साथ आपसी संबंध और प्रगाढ़ होते गए तो रूस के साथ भी रिश्ते मधुर बने रहे। रोचक यह भी है कि मुस्लिम बहुल पूर्व सोवियत घटक गणराज्य जैसे कि कजाखस्तान, किर्गीजस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान इत्यादि आज शंघाई संगठन के सदस्य हैं, तो अजरबैजान वार्ता-सहयोगी देश है। मध्य एशिया में रूस के साथ इनके ऐतिहासिक संबंध काफी महत्व रखते हैं। रूस के पश्चिमी दिशा के पड़ोसी देशों के लिए समृद्ध पश्चिमी देश जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और फिनलैंड के साथ सहयोग करके ज्यादा फायदा हुआ है।

रूस के लिए, पूर्व सोवियत संघ से घटक रहे पूरबी यूरोपियन गणतंत्र यदि फ्रांस और जर्मनी समेत अपने पश्चिमी यूरोपियन पड़ोसियों से निकट संबंध बनाते हैं, तो इस पर आपत्ति करने की कोई वजह नहीं थी। लेकिन चिंतित होना तब स्वाभाविक बन गया जब एकदम सटे देश अमेरिका और नाटो संगठन से सैन्य गठबंधन करने लगे। नाटो में अमेरिका की भूमिका का मुख्य निशाना रूस की घेराबंदी और उसे सीमित करना माना जाता है। हर कोई जानता है है कि यूरोप में बने हालिया तनाव का पूरा तानाबाना तब बना जब यूक्रेन के युवा किंतु अपेक्षाकृत कम अनुभवी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अचानक पींगें बढ़ाने लगे। पिछले कुछ सालों से यूक्रेन ने अमेरिका के साथ निकट सैन्य रिश्ते बनाए हैं। नतीजतन, यूक्रेन को परिष्कृत हथियार मिले हैं जिसके बूते पर वह रूस के थलीय एवं जलीय सुरक्षा हितों को सैन्य चुनौती देने लायक खुद को समझने लगा। वह अपने दक्षिणी तटों पर संपूर्ण इलाकाई सार्वभौमिकता बनाने वाली महत्वाकांक्षा पूरी करना चाहता है।

रूस और यूक्रेन के बीच मुख्य इलाकाई विवाद क्रीमिया प्रायद्वीप को लेकर जारी है। क्रीमिया पर रूस के काला सागर नौसेना बेड़े का नियंत्रण 1783 से कायम है। दो शताब्दियों से अधिक समय से यह इलाका रिवायती तौर पर यूक्रेन की सार्वभौमिकता के तहत न होकर रूस के अंतर्गत रहा है। बेशक रूस चाहता है कि ओडेस्सा बंदरगाह तक भी उसकी पहुंच पहले जैसी निर्बाध बनी रहती, परंतु वह इस प्रयास में सफल नहीं रहा। यदि काला सागर के तट का इस्तेमाल दोनों मुल्क मिलकर करें तो यह ज्यादा समझदारी होती, क्योंकि दोनों के नौवहनीय व्यापारिक हित एक समान जुड़े हुए हैं। यह बात रूस और यूक्रेन से पश्चिम एशिया और अफ्रीका को गेहूं के निर्यात पर खासतौर पर लागू है। लंबे समय से ओडेस्सा बंदरगाह से होकर भारत का व्यापारिक लेन-देन इन दोनों मुल्कों से होता आया है। जाहिर है किसी भी शांति हल को यह हकीकत जहन में रखनी होगी कि रूस किसी भी हालत में क्रीमिया से जुड़े अपने हितों से समझौता नहीं करने वाला। काला सागर के ओडेस्सा बंदरगाह तक अपनी ऐतिहासिक पहुंच को बरकरार रखना रूस का नैसर्गिक हित है। युवा और अनुभवहीन वोल्दोमीर जेलेंस्की के 20 मई, 2019 को यूक्रेन का राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद से रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बनने लगा क्योंकि जेलेंस्की को लगता था वे बाइडेन प्रशासन से नजदीकी बनाकर रूसी प्रभाव से मुक्त हो सकते हैं। 2021 में अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान जेलेंस्की ने राष्ट्रपति बाइडेन के साथ संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जो स्पष्टत: सख्त रूस विरोधी प्रावधानों से युक्त था। इसमें कहा गया 'रूस की आक्रामकता के मद्देनजर, यूक्रेन की सार्वभौमिकता, स्वतंत्रता और इलाकाई अखण्डता बनाए रखने के प्रति अगाध प्रतिबद्धता प्रकट करते हैं, इसका दायरा क्रीमिया सहित अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सीमाओं के अंदर पड़ते इलाके के अलावा अंतर्राष्ट्रीय जलीय सीमा तक है।' स्पष्टत: इस समझौते का मकसद क्रीमिया तक रूस की निर्बाध पहुंच को चोट पहुंचाने वाली यूक्रेनी कार्रवाइयों को शह देना है। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने यूक्रेन को परिष्कृत सैन्य हथियार और उपकरण दिए।

राष्ट्रपति पुतिन ने फरवरी, 2022 में अपने सैनिकों को दक्षिणी यूक्रेन पर चढ़ाई करने के आदेश दिए, जिसका साफ उद्देश्य था लुहान्सक और दोनेस्तक शहरों को कब्जा कर उन्हें बतौर स्वतंत्र राज्य स्थापित करना। यह करके उन्होंने रूस का नियंत्रण उन इलाकों पर बनवाना चाहा जहां बड़ी संख्या में रूसी मूल के लोग बसे हैं। अनुमान है कि यूक्रेन की कुल 4.33 करोड़ आबादी में लगभग 77 लाख रूसी मूल के लोग हैं। यूक्रेन के छह दक्षिणी इलाकों में, जहां से होकर रूस के काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंच मार्ग गुजरते हैं, वहां ज्यादातर आबादी रूसियों की हैं। रूस का काला सागर नौसेना बेड़ा वर्ष 1783 में क्रीमिया प्रायद्वीप में स्थापित हुआ था। यह इलाका पुराने वक्त से ही रूस का काला सागर, अजोव सागर और भूमध्य सागर तक आवाजाही का द्वार रहा है। बाइडेन-जेलेंस्की घोषणापत्र के बाद यूक्रेन को भारी मात्रा में अमेरिकी एवं नाटो सैन्य सामग्री मिलने और अपने सागरीय पहुंच मार्गों को खतरे में पड़ते देख रूस ने उस पर चढ़ाई कर दी, जो कि अनियोजित प्रतिक्रम अधिक है।

हाई शुगर वाले फूड भी लाते हैं नींद

अगर आप ने लंच में चावल, पास्ता, ब्रेड या अन्य हाई ग्लूकोज वाले फूड खाए हैं तो यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा देते हैं। जिसके कारण सेल्स तक एनर्जी धीमी गति से पहुंचती है और ये भी दोपहर में नींद आने का कारण बन सकता है।

रात में न सोना

रात में जागते वक्त आपको इस बात का पता नहीं रहता कि अगले दिन आपका क्या हाल होने वाला है। आपको रात में नींद आ रही है और आप नींद को त्याग काम करने की कोशिश कर रहे हैं। अभी काम हाथ में ही है और आप को किसी ने और काम दे दिया और आपने पूरी रात जागरण कर काम करने में बिता दी। रात भर जागने की वजह से दिन में नींद आना एक सामान्य सी बात है।

खाना और खून से जुड़ा है संबंध

नेशनल हेड शीला मुर्रे के मुताबिक, लंच करने के बाद खून में ग्लूकोज बढ़ जाता है और जब यह अपने नॉर्मल लेवल पर वापिस आता है तो दिमाग और मसल्स को एनर्जी की थोड़ी सी कमी हो जाती है। जिसके कारण दिन में नींद आने लगती है।

दोपहर में 3-4 बजे नींद आने की वजह है तनाव और थकान

भगवान ने रात सोने और दिन काम करने के लिए बनाया है। हमारे शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक भी यही कहती है। मगर फिर भी दिन में 3-4 बजे ऐसी हालत हो जाती है कि थोड़ी देर जागना भी भारी पड़ जाता है। इस हालत में ऑफिस का काम करना तो एकदम भारी हो जाता है। दिन के वक्त नींद आने के कई सारे कारण हो सकते हैं, जैसे तनाव, थकान या कमजोरी। लेकिन दो कारणों के बारे में कोई नहीं जानता, जो कि बड़ी वजहे हैं।

नींद भगाने के उपाय

दिन में नींद भगाने के लिए आपको रात की नींद बेहतर बनानी चाहिए। जिसके लिए आपको पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन, एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद आदि की जरूरत होती है। इसके अलावा आप दिन में पावर नैप लेकर भी इस दिक्कत से छुटकारा पा सकते हैं।

दिन में 3 बजे नींद आने का कारण

रात की नींद का एक वक्त ऐसा होता है, जिसमें हम सबसे गहरी नींद में होते हैं। कई एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अधिकतर लोगों के लिए ये वक्त सुबह के 3-4 बजे खत्म होता है। हमारी सर्काडियन रिदम की साइकिल ठीक 12 घंटे बाद नींद की मांग दोबारा करती है ताकि फिर से बॉडी को रिलैक्स कर सके।

लैपटॉप और मोबाइल

सुनने में साधारण लगता है लेकिन यह महत्वपूर्ण है। आपकी देर रात तक मोबाइल और लैपटॉप में घुसने की आदत आपको परेशानी में डाल रही है। यह आपके शरीर को एनएक्टिव बना रही है वहीं आपके दिमाग को आराम नहीं करने दे रही। इनमें उलझने के बाद आपको समय का भी ख्याल नहीं रहता, आप रातभर जागते रहते हैं और आपको दिन में नींद आती है, जिसकी वजह से आप पूरा दिन सोने में बिता देते हैं।

तनाव, अवसाद, क्रोध

तनाव, अवसाद, क्रोध आदि जैसी चीजें नींद के पैटर्न पर बहुत प्रभाव डालती हैं। ये आपको थका देती हैं, जिससे रात को आप ठीक प्रकार से नहीं सो पाते, और दिन में नींद आती है। कुछ बीमारियां जैसे, मधुमेह आदि शरीर को अंदर से कमजोर बना देती हैं और जिससे दिनभर नींद आती है। अच्छा है कि आप अपना ठीक से ट्रीटमेंट करवाएं और स्वस्थ रहें।

हंसना मना है

पत्नी- मैं तो तंग आ गई हूं इस आदमी से, कोई काम ठीक से नहीं कर सकता...! पति - अरे भाग्यवान, अब क्या खता हो गई मुझसे...? पत्नी - ये कल तुमने गैस खत्म होने पर कैसा सिलिंडर लगाया है, दो बार दूध गर्म किया, दोनों बार ही फट गया...!!!

पत्नी - शादी से पहले तो तुम कहते थे कि शादी के बाद मैं तुम्हें ढेर सारा प्यार करूंगा...अब क्या हुआ? पति - सच बताऊं जानू...? पत्नी (खुश होते हुए) - हां बताओ... पति - मुझे नहीं लगता था कि हमारी शादी हो ही जाएगी...!!!

आज का महाज्ञान... जिस पुरुष ने आज के समय में बीवी, नौकरी और स्मार्टफोन के बीच में सामंजस्य बैठा लिया हो, वह पुरुष नहीं महापुरुष कहलाता है...!!!

रेलवे पूछताछ केंद्र पर एक महिला पहुंची... क्लर्क - कोहरे के कारण सब ट्रेनें लेट हैं, और कुछ पूछना है...? महिला - इस ड्रेस में मैं मोटी तो नहीं लग रही...!!!

पप्पू - मां ये लड़कियां इतने व्रत क्यों रखती हैं...? मां - बेटा इतनी आसानी से थोड़ी मिल जाएगा किसी को तू...! पप्पू (मन ही मन सोचता हुआ) बोला- कसम से आज पहली बार देवता वाली फीलिंग आ रही है...!!!

कहानी | ब्राह्मण और सांप

किसी नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके खेत में ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त अपने खेत में एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। जैसे ही हरिदत्त की आंख खुली उसने देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। हरिदत्त उठा और कहीं से जाकर दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने अपने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। अपने पिता की आज्ञा से हरिदत्त का बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह जब वह सांप को दूध पिलाने गया, तो उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, हरिदत्त के बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद मैं बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने अगले दिन ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दुःख हुआ।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज भाग्य आपका भरपूर साथ देगा। नए कॉन्टैक्ट से फायदा हो सकता है। अपनी मेहनत पूर्ण कार्य से अपने बॉस का मन मोह लेंगे। आपके कामकाज की तारीफ भी होगी।

वृषभ आज का दिन कुछ के लिए काफी विवादास्पद साबित हो सकता है। आपको अपने वरिष्ठों की उपेक्षा का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जीवन एवं स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन आज घर पर मेहमान आयेंगे। विद्यार्थियों को आज कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। किसी भी काम की शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से सलाह ले लेना अच्छा रहेगा।

कर्क आज आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भौतिक सुख सुविधाओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। व्यक्तिगत समस्याएं हल होंगी। छोटे भाई-बहनों के साथ मेल-जोल रहेगा।

सिंह आपको नौकरी या काम-काज से जुड़े कई नए विकल्प मिल सकते हैं। जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से आपको बचना चाहिए। नाक, कान और गले से जुड़े रोगों से बचें।

कन्या आज आप परिवार वालों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं, उन्हें आज तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे।

तुला आज वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। आज कोई इच्छा पूरी हो जाएगी। अविवाहित लोगों के लिए दिन अच्छा है। विवाह प्रस्ताव भी मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। आय में वृद्धि संभव है। आपके पास नए अधिग्रहण होंगे जो आपकी सामाजिक स्थिति में सुधार करेंगे।

धनु आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

मकर किसी काम के कारण आपको यात्रा करनी होगी। मानसिक भटकाव के कारण काम पर ध्यान देने में कठिनाई होगी। अपने दिल की बातें पार्टनर से बिल्कुल न छुपाएं।

कुम्भ मिले-जुले परिणाम मिलेंगे, लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे। बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें। अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें।

मीन आज परिवार वालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस राशि के बुक सैलर के लिए आज का दिन लाभ दिलाने वाला होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

अभिनेत्री के रूप में हम हर रोज कुछ सीखते हैं : सारा

एबॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से की थी। इसके बाद सारा रणबीर सिंह के साथ फिल्म सिंबा में नजर आई थी। फिल्म सिंबा बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। इसके बाद सारा लव आजकल 2, कुली नंबर 1 और अंतरगी रे में नजर आ चुकी हैं। सारा की ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। सारा ने हाल ही में अपनी फ्लॉप फिल्मों को लेकर बात की है। मीडिया की खबरों के अनुसार सारा अली खान ने कहा कि- एक अभिनेत्री के रूप में हम हर रोज बहुत कुछ सीखने को मिलता है। लेकिन मुझे भी लगता है कि मैंने कुछ गलतियां की है। मैंने ऐसी फिल्में की जिसे दर्शकों ने पसंद नहीं किया, लेकिन फिर भी यह मेरी गलती करने की उम्र है। सारा आगे कहती है कि हर बार उठने के लिए नीचे गिरना जरूरी है। मैंने सीखा गलतियां मेरी जर्नी का हिस्सा है। सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह होमी अदजानिया की फिल्म मर्डर मुबारक में नजर आएंगी। आखिरी बार सारा आनंद एल राय की फिल्म अतरंगी रे में नजर आई थी। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। सारा जल्द ही ए वतन मेरे वतन, गैसलाइट फिल्मों में नजर आएंगी। सारा अली खान का नाम कार्तिक आर्यन से लेकर इंडियन क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ जुड चुका है। सारा और शुभमन गिल को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो चुकी है। सारा और शुभमन गिल कई बार एक साथ स्पॉट हो चुके हैं। बता दें कि दोनों ने अफेयर को लेकर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

30 को रिलीज होगा अजय देवगन की भोला का ट्रेलर

अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भोला को लेकर चर्चा में हैं। बता दें कि यह फिल्म 30 मार्च 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। भोला का बेसब्री से इंतजार कर रहे दर्शक अक्सर सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर लॉन्च को लेकर सवाल पूछते नजर आते हैं। अब इसका जवाब मिल गया है। भोला के ट्रेलर रिलीज डेट का एलान हो गया है। अजय देवगन ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट से यह जानकारी साझा की है।

अजय ने साझा किया पोस्ट

अजय देवगन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा किया है। इसके साथ उन्होंने जानकारी दी है कि फिल्म का ट्रेलर 6 मार्च को रिलीज होने जा रहा है। एक्टर ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें फिल्म से उनका लुक दिखाई दे रहा है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, भोला की दीवानगी शुरू! चार दिनों में यानि 6 मार्च को फिल्म का ट्रेलर आउट हो जाएगा।

फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं

एक्टर के इस पोस्ट पर यूजर्स की दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। फैंस इस खबर को पाकर खुशी से झूम उठे हैं। बता दें कि अजय देवगन की पिछली रिलीज फिल्म दृश्यम 2 ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहराया है। इस फिल्म में तब्बू भी नजर आईं। अब एक बार फिर अजय देवगन और तब्बू फिल्म भोला में स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे।

फिल्म भोला की बात करें तो इसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी अजय देवगन निभा रहे हैं। साथ ही वह फिल्म के सह-निर्माता भी हैं। गौरतलब है कि भोला तमिल फिल्म कैथी का हिंदी रीमेक है। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेता कार्ति नजर आए थे। भोला के अलावा अजय देवगन फिल्म मैदान में भी नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन ने ठुकराई शाहरुख खान की फिल्म जवान

शाहरुख खान के फैंस उनकी हर फिल्म को लेकर हमेशा ही बेताब रहते हैं। पठान की सफलता के बाद तो उनकी अगली सभी फिल्मों का फैंस को काफी उत्साहित हैं। कुछ समय से किंग खान की फिल्म जवान को लेकर काफी चर्चा बनी हुई है। खबर है कि इस फिल्म में तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को कैमियो रोल में देखा जा सकता है। हालांकि, अब शाहरुख की इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है। दरअसल, हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल्लू अर्जुन ने शाहरुख की जवान का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया है। खबरों की माने तो उनका इस फिल्म से किनारा करने का कारण अल्लू का बिजी शेड्यूल है। वह इस समय अपनी अगली मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा द रूल की तैयारियों में काफी व्यस्त चल रहे हैं।

पुष्पा-2 पर ही दे रहे ध्यान

ऐसे में अब अल्लू जवान के लिए अपनी डेट्स नहीं दे पा रहे हैं और इसी के चलते उन्होंने फिल्म से खुद को अलग करने का ही फैसला कर लिया। खबरों के अनुसार, जवान के मेकर्स ने अल्लू को फिल्म की कहानी भी सुना दी थी। हालांकि, एक्टर इस समय पुष्पा 2 पर ही ध्यान देना चाहते हैं।

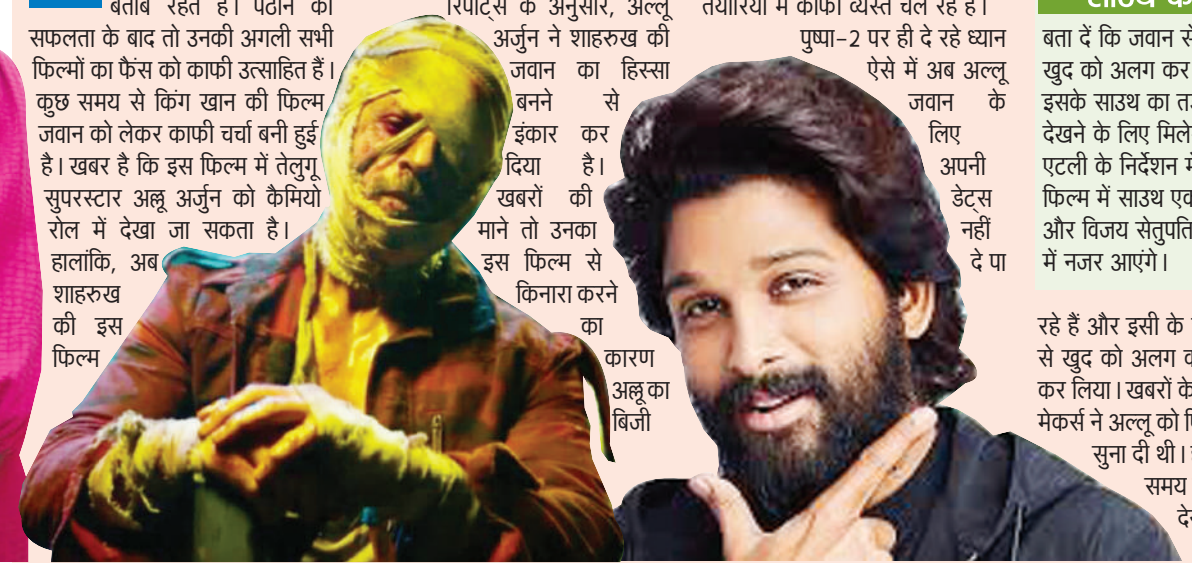

ये सितारे लगाएंगे साउथ का तड़का

बता दें कि जवान से बेशक अल्लू ने खुद को अलग कर लिया हो, लेकिन इसके साउथ का तड़का तो फिर भी देखने के लिए मिलेगा। दरअसल, एटली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में साउथ एक्ट्रेस नयनतारा और विजय सेतुपति भी अहम रोल्स में नजर आएंगे।

अजब-गजब | काला जादू करने वाले तांत्रिक ने इस किले को दिया था शाप

इस किले में जाने के नाम से कांपते हैं लोग

हमारे देश में प्राचीन काल के तमाम किला और महल आज भी मौजूद हैं। इनमें से कुछ किलों को अब भूतिया माना जाता है। इसीलिए इन किलों में लोगों के जाने की हिम्मत नहीं होती। राजस्थान में भी ऐसे कई किले मौजूद हैं जो भूतिया हैं। ये किले सदियों से वीरान पड़े हुए हैं ऐसा माना जाता है कि इन किलों में अब भूत प्रेत रहते हैं इसीलिए लोग यहां जाने के नाम से ही घबराते हैं। ऐसे ही एक किले के बारे में हम आपको आज बताने जा रहे हैं। यह किला राजस्थान के अलवर जिले में स्थित है। जिसे भानगढ़ का किला नाम से जाना जाता है।

इस किले को भी भूतिया किला माना जाता है। इस किले को खौफ का आलम ये है कि यहां कोई आस-पास भी आने से डरता है। इस किले में प्रवेश वर्जित है। इस किले के भूतिया होने के पीछे की कहानियों है। बता दें कि भानगढ़ किले का निर्माण आमेर के कछवाहा शासक राजा भगवंत सिंह ने अपने छोटे बेटे माधो सिंह के लिए 1573 ई। में करवाया था। माधो सिंह के भाई प्रसिद्ध मान सिंह थे, जो अकबर के सेनापति थे। माधो सिंह का उत्तराधिकारी उसका पुत्र छत्र सिंह था।

छत्र सिंह के पुत्र अजब सिंह ने अजबगढ़ का किला बनवाया था। फिलहाल यहां दूर-दूर से पर्यटक घूमने आते हैं। जिन्हें वहां के गाइड कहानी सुनाकर बताते हैं कि आखिर ये किला कैसे भूतिया बन गया। बताया जाता है कि किले में राजकुमारी रत्नावती रहती थी जो बहुत ही सुंदर थीं। राजकुमारी रत्नावती छत्र सिंह की बेटी थी।

रत्नावती अपने सौतेले भाई अजब सिंह से बहुत छोटी थी। राजकुमारी की सुंदरता और अच्छे स्वभाव के किस्से दूर-दूर तक फैले। जिससे राजकुमारी को शादी के कई प्रस्ताव मिले। इस बीच काला जादू करने वाले एक तांत्रिक को राजकुमारी से प्यार हो गया। कहा जाता है कि तांत्रिक जानता था कि राजकुमारी उसे नहीं मिलेगी। बावजूद इसके वो उसके पीछे पड़ गया। एक दिन राजकुमारी अपनी दासी के साथ गांव में इत्र खरीदने गई थी। ये देख तांत्रिक ने उस पर जादू कर दिया, जिससे रत्नावती को उससे प्यार हो जाए। रत्नावती को इस बात का पता चला और उन्होंने बोतल फेंक दी। बोतल टूट के बाद कुछ अजीब और बड़ी चीज निकली और तांत्रिक से टकरा गई। तांत्रिक उसके नीचे दब गया, लेकिन मरने से पहले उसने राजकुमारी, उसके परिवार और पूरे गांव को श्राप दे दिया। अगले वर्ष भानगढ़ और अजबगढ़ की सेनाओं के बीच एक लड़ाई लड़ी गई, जिसके कारण रत्नावती और अधिकांश सेना की मृत्यु हो गई। इसकी वजह तांत्रिक के शाप को माना जाता है। इसके बाद से ही किले में भूतों का वास है। ये भी कहा जाता है कि गुरु बालू नाथ नामक एक साधु पहाड़ी की चोटी पर रहते थे, जिस पर राजा भगवंत सिंह ने किले का निर्माण करवाया था। किले को वहां बनने देने की साधु की एक मात्र शर्त यह थी कि इससे उनके आवास पर कभी छाया नहीं पड़े। इसके बाद अजब सिंह ने दूसरा किला वहां बनाया तो उस शर्त को नदरअंदाज कर दिया गया। किले के स्तंभ साधु के घर पर छाया डालते थे। माना जाता है कि इसी से क्रोधित होकर साधु के शाप ने किले और आसपास के गांवों को बर्बाद कर दिया। साधु की छतरी के नाम से मशहूर पत्थर की एक छोटी सी झोपड़ी से किले का नजारा आज भी देखा जा सकता है।

ऐसा द्वीप जो है खरगोशों का आइलैंड बिल्लियों को ले जाने पर है पाबंदी

आपने दुनियाभर में तमाम रहस्मयी द्वीपों के बारे में सुना और पड़ा होगा। जहां कुछ रहस्यमयी घटनाएं हो जाती होंगी या वहां इंसानों के जाने पर रोक लगी हो। आज हम आपको एक ऐसे ही द्वीप के बारे में बताने जा रहे है जहां इंसान नहीं बल्कि खरगोश रहते हैं इसीलिए इस द्वीप को खरगोशों का द्वीप कहा जाता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं जापान के ओकुनोशिमा हिरोशिमा प्रीफेक्चर के टेकहारा में स्थित एक छोटे से द्वीप के बारे में। इस द्वीप में रहने वाले कई जंगली खरगोशों के कारण इस द्वीप को उसगी जिमा यानी खरगोश द्वीप के रूप में भी जाना जाता है। इस द्वीप को पर्यटन के लिए एक आदर्श स्थान माना जाता है। बता दें कि इस द्वीप को शुरू में युद्ध के लिए गैसों के घातक विकास के उद्देश्य से बनाया गया था और जहां 6 हजार टन से अधिक का घातक गैसों का उत्पादन किया गया था, लेकिन युद्ध के अंत के साथ, इस पूरी परियोजना को छोड़ दिया गया और गुप्त रखा गया, इसलिए द्वीप पूरी तरह से निर्जन और अज्ञात था। बता दें कि इस द्वीप पर अब आपको कई रेस्टोरेंट और होटल भी मिल जाएंगे लेकिन यहां सबसे ज्यादा आबादी खरगोशों की है। बता दें कि जब द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इस द्वीप को छोड़ दिया गया, तो रासायनिक हथियारों की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए उपयोग किए जाने वाले खरगोशों को यहां छोड़ दिया गया। हालांकि, सरकार के अनुसार, उन्हें कारखानों के साथ नष्ट कर दिया गया था, उनका दावा है कि द्वीप पर मौजूद मौजूदा खरगोशों का परीक्षणों में इस्तेमाल किए गए खरगोशों से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि उनमें से कुछ के बचे रहने की भी बात कही जाती है। बता दें कि इस द्वीप पर पाए जाने वाले खरगोशों के शिकार करने पर पाबंदी लगी हुई है। साथ ही इस द्वीप पर बिल्लियों और कुत्तों को भी ले जाने पर पाबंदी है। बता दें कि इस द्वीप में 1988 में एक संग्रहालय भी खोला गया है ताकि अधिक से अधिक लोगों को जहरीली गैस के बारे में भयानक सच्चाई दिखाई जा सके। इस संग्रहालय में शरीर पर गैस के प्रभाव के बारे में विवरण प्राप्त करना संभव है, और प्रभावित लोगों पर भी पौधे, प्रयुक्त उपकरण आदि को देखना संभव है।

अंबाला में दर्दनाक हादसा: डबल डेकर बस को ट्राले ने मारी टक्कर, आठ की मौत, कई घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबाला (हरियाणा)। अंबाला में शक्रवार तड़के एक भीषण हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। हादसा तड़के करीब साढ़े चार से पांच बजे के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 344 चंडीगढ़ यमुनानगर पर स्थित गांव ककड़ माजरा के नजदीक हुआ। बताया जा रहा है कि हादसा उस समय हुआ जब बरेली उत्तर प्रदेश से बद्दी हिमाचल प्रदेश जा रही एक डबल डेकर बस शुक्रवार अलसुबह गांव ककड़ माजरा के नजदीक सड़क किनारे खड़ी थी और पीछे से आ रहे एक ट्राले ने उसे टक्कर मार दी। ट्राला टक्कर लगने के बाद हाइवे पर बने डिवाइडर को पार कर दूसरी तरह पलट गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि हर तरफ चीख-पुकार मच गई।

आनन-फानन में बस में सवार लोगों को निकाला गया और कुछ को शहजादपुर सीएचसी व कुछ को पंचकूला सरकारी अस्पताल में भेजा गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो

गई। जिनमें महिलाएं व एक बच्चा भी बताया जा रहा है जिसकी उम्र लगभग दो से तीन साल बताई जा रही है। सूचना मिलते ही डीएसपी नारायणग? अर्शदीप सिंह थाना प्रभारी शहजादपुर बीरभान पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद हाइवे के दोनों और जाम लग गया। बड़ी क्रेन बुलाकर दोनों वाहनों को सड़क से हटाया गया लगभग दो घंटे के बाद यातायात सुचारू हुआ। बताया जा रहा है कि गुरुवार शाम के लगभग पांच बजे के करीब बरेली से लगभग 70 सवारियों को लेकर बस बद्दी के लिए चली थी और जैसे ही आज सुबह लगभग पांच बजे के करीब बस जब ककड़ माजरा के नजदीक पहुंची तभी यह हादसा हुआ है। पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है। हादसे की सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में व्यवस्था बनाते हुए मरीजों को अलग-अलग अस्पताल में रेफर किया। इसमें से 7 अंबाला छावनी तो कुछ अंबाला सिटी व पंचकूला रेफर हुए। ताकि सभी जगह व्यवस्था बनी रहे।

डंपर-कार भिड़ी, छह दोस्तों की जान गई

फरीदाबाद। गुरुग्राम फरीदाबाद रोड पर डंपर की टक्कर से ऑल्टो कार के परखच्चे उड़ गए। कार में छह युवक सवार थे। सभी पलवल के रहने वाले थे और गुरुवार देर रात गुरुग्राम से फरीदाबाद आ रहे थे। मांगर चौकी के पास डंपर और कार की भिड़ंत हुई और सभी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर बीके अस्पताल भिजवा दिए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार हादसे में मरने वाले सभी युवकों की उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। सभी युवक पलवल के रहने वाले हैं। मृतकों की पहचान पुतिन, जतिन, आकाश, संदीप, बलजीत व विशाल के रूप में हुई है। युवक एच आर 30 जी 6661 नंबर की ऑल्टो कार में सवार थे। राजस्थान नंबर के डंपर ने युवकों की कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने कार व डंपर को कब्जे में ले लिया है। चालक मौका पाकर फरार हो गया। मृतकों के परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है। दोपहर में शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

आकाश कुमार को मिली जोन-4 की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में नगर निगम के हालात को सुधारने का लगातार प्रयास जारी है इसी के चलते जोन 4 में सहायक नगर आयुक्त के तौर पर आकाश कुमार को जिम्मेदारी दी गई है ।

आकाश ने जिम्मेदारी संभालते ही 20 बड़े बकायेदारों की लिस्ट निकाल ली है। उन्होंने दावा किया है कि जल्द ही समय पर बकाया धनराशि जमा न करने पर बड़े बकायेदारों से वसूली की कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इन्वेस्टर सम्मिट जी-20 के बड़े आयोजन हुए थे। जिस दौरान पूरे लखनऊ शहर को चमकाया गया था वैसा ही लखनऊ परमानेंट चमकता रहे इसको लेकर अभियान चलाया जाएगा।

जुनैद-नासिर के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी प्रदेश सरकार

» सीएम अशोक गहलोत ने की परिजनों से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भरतपुर के घाटमीका पहुंचकर हरियाणा में हिंसा का शिकार होकर जान गंवाने वाले जुनैद व नासिर के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री मृतक जुनैद के बच्चों से भी मिले। उन्होंने कहा कि अपहरण और नृशंस हत्या की यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस जघन्य अपराध के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए राजस्थान पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस दौरान परिजनों ने अब तक की गई पुलिस कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और मामले में जल्द न्याय दिलवाने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवीय दृष्टिकोण से मृतक नासिर और जुनैद की पत्नियों और

उनके बच्चों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि इन बच्चों को उचित शिक्षा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को संबल देने के लिए राज्य सरकार द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

हरियाणा पुलिस दिखाए जांच में गंभीरता

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार को इस मामले की जांच में ज्यादा गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से बात कर बाकी आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द न्याय दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए दोनों राज्यों में डीजीपी स्तर पर भी लगातार बातचीत हो रही है।

केस ऑफिसर स्कीम के तहत होगी मामले की सुनवाई

श्री गहलोत ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय सुनिश्चित करने के लिए इस हृदयविदारक घटना की जांच केस ऑफिसर स्कीम के तहत की जाएगी। स्कीम के अंतर्गत एक लीगल ऑफिसर को नियुक्त कर आरोपियों को गिरफ्तार करने से लेकर चालान पेश करने और बाकी कानूनी प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सकेगा और इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग हो सकेगी।

तीर्थयात्रियों को अब देना होगा ज्यादा किराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। केदारनाथ यात्रा के लिए जिला प्रशासन और जिला पंचायत ने घोड़ा-खच्चर और डंडी-कंडी व पालकी की दरें बढ़ादी हैं। सोनप्रयाग से बेस कैंप केदारनाथ तक घोड़ा-खच्चर से जाने के लिए यात्रियों को 3000 रुपये भुगतान करना होगा जबकि 2022 में इतनी सोनप्रयाग से बेस कैंप तक 2740 रुपये किराया था। इसके अलावा इस बार केदारनाथ से सोनप्रयाग वापसी के लिए 2100 रुपये किराया निर्धारित किया गया है। वहीं, गौरीकुंड से केदारनाथ तक डंडी से यात्रा करने पर यात्रियों को वजन के हिसाब से 7000 से 9000 रुपये तक भुगतान करने होंगे।

कंगारुओं के हाथों पिटे भारतीय शेर

» भारत में छह साल बाद टेस्ट जीता ऑस्ट्रेलिया

» भारतीय टीम को नौ विकेट से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। ऑस्ट्रेलिया ने चार टेस्ट मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में टीम इंडिया को नौ विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही उसने सीरीज में वापसी कर ली है। भारत पहले दोनों टेस्ट में जीत हासिल कर अभी भी 2-1 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में जीत के लिए 76 रनों का लक्ष्य मिला थी। उसने मैच के तीसरे दिन (शुक्रवार) को 78 रन बनाकर मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

दोनों देशों के बीच अब चौथा टेस्ट नौ मार्च से अहमदाबाद में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट तीसरे दिन लंच से पहले मैच को समाप्त कर

दिया। 76 रन के लक्ष्य को उसने 18.1 ओवर में हासिल कर लिया। कंगारू टीम ने एक विकेट पर 78 रन बना लिए। ट्रेविस हेड 53 गेंद पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, मार्नश लाबुशेन ने नाबाद 28 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा खाता नहीं खोल पाए। इस जीत के साथ ही उसने सीरीज में वापसी कर ली है। भारत पहले दोनों टेस्ट में जीत हासिल कर अभी भी 2-1 से आगे है। दोनों देशों के बीच अब चौथा टेस्ट नौ मार्च से अहमदाबाद में खेला जाएगा। भारत ने पहली पारी में 109 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने 197 रन बना लिए थे। उसे 88 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम दूसरी पारी में 163 रन पर ऑलआउट हो गई। उसने 75 रन की बढ़त बनाई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को 76 रन का लक्ष्य मिला था। जवाब में कंगारू टीम ने 18.5 ओवर में एक विकेट पर 78 रन बनाकर मैच को जीत लिया। ख्वाजा का विकेट गिरने के बाद मार्नश लाबुशेन और ट्रेविस हेड ने पारी को संभाल लिया है। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 35 रनों की साझेदारी कर ली है। हेड 23 और लाबुशेन 11 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 41 रनों की और जरूरत है।

अश्विन ने पहले ओवर में दिलाई सफलता

रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम को पहले ही ओवर में सफलता दिलाई। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपनर उस्मान ख्वाजा को दूसरी गेंद पर आउट कर दिया। अश्विन की गेंद ख्वाजा के बल्ले से लगकर केएस भरत के हाथों में चली गई। ख्वाजा खाता नहीं खोल पाए।

मोदी सरकार ने मीडिया-कोर्ट सब पर किया कब्जा

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में बोले-मेरी पेगासस से हो रही जासूसी, अन्य नेताओं की भी निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने ब्रिटेन दौरे के दौरान मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस नेता ने लंदन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में दिए अपने भाषण में भारत में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके फोन की पेगासस के माध्यम से जासूसी भी की गई और इसकी जानकारी खुद खुफिया अधिकारियों ने दी। राहुल ने कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। इसका जीता जागता उदाहरण है कि विपक्ष के लोगों को जिस तरीके से फंसाया जा रहा वो गलत है। उन्होंने कहा कि मीडिया और लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला किया जा रहा है, जिससे लोगों के साथ संवाद करना बहुत मुश्किल होता जा रहा है। न्यायपालिका भी नियंत्रण में है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि भारत में विपक्षी पार्टियों के लोगों को गलत तरीके से फंसाया जा रहा है और उन्हें धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लगातार दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि विपक्ष के खिलाफ गलत मामले दर्ज किए जा रहे हैं। राहुल ने कहा कि मेरे खिलाफ भी बिना बात के आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि बड़ी संख्या में राजनीतिक नेताओं के फोन में पेगासस डालकर जासूसी की जा रही है। राहुल ने कहा कि मेरे फोन में भी पेगासस था और इसकी जानकारी खुद खुफिया अधिकारियों द्वारा दी गई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने साफ कहा था कि सावधान रहें, क्योंकि फोन की रिकॉर्डिंग हो रही है।

हम अपने बचाव की कोशिश में

राहुल गांधी ने कहा हम अपना बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के संबोधन का विषय लर्निंग टू लिसेन इन इन 21 सेंचुरी था। इस दौरान उन्होंने कहा, हम ऐसी दुनिया बनते हुए नहीं देख सकते जो लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ी हुई न हो। दुनिया में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए नई सोच की जरूरत की बात कही। कश्मीर का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा, कश्मीर में कई सालों से हिंसाग्रस्त है। सुरक्षा अधिकारियों ने सुरक्षा को लेकर आगाह किया लेकिन जब हम आगे बढ़े तो हजारों लोग तिरंगा लेकर आगे आए। एक व्यक्ति करीब आया उसने कुछ लड़कों की तरफ दिखा कर बताया कि वो उग्रवादी हैं। उन लड़कों ने मुझे घूर कर देखा लेकिन कुछ कर नहीं पाए। राहुल गांधी ने कहा कि यह लोगों की बात सुनने और अहिंसा की ताकत है।

उज्ज्वला जनधन योजना की तारीफ की

राहुल से जब मोदी सरकार की अच्छी नीतियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उज्जवला योजना और जन धन योजना का जिक्र किया। कैंब्रिज में कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी से ये सवाल किया गया कि क्या नरेंद्र मोदी सरकार की उन नीतियों के बारे में बता सकते हैं जो भारत के हित में हैं? राहुल गांधी ने कहा, शायद महिलाओं को गैस सिलिंडर देना और लोगों के बैंक अकाउंट खुलवाना अच्छा कदम है लेकिन मेरे विचार में मोदी भारत की बनावट को बर्बाद कर रहे हैं। वो भारत पर एक ऐसा विचार थोप रहे हैं जिसे भारत स्वीकार नहीं कर सकता। भारत राज्यों का संघ है। अगर कोई एक विचार थोपा जाएगा तो प्रतिक्रिया होगी। भारत में धार्मिक विविधता है, भारत में सिख, मुस्लिम, ईसाई सभी हैं लेकिन मोदी इन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक समझते हैं। मैं इससे सहमत नहीं हूं, जब बुनियादी स्तर पर असहमति हो तो फर्क नहीं पड़ता कि आप किन दो-तीन नीतियों से सहमत हैं।

भारत को बदनाम करना राहुल की आदत : अनुराग

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान पर भाजपा भड़क गई। पार्टी के नेता अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को राहुल के बयान को झूठा और भारत को बदनाम करने वाला बताया। उन्होंने कहा,कल के नतीजे दिखाते हैं कि कांग्रेस का सूपड़ा एक बार फिर साफ हुआ है। और ये रोने-धोने का काम राहुल गांधी एक बार फिर विदेश की धरती पर कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा, ये पेगासस कहीं और नहीं उनके दिल और दिमाग में बैठा हुआ है। पेगासस पर क्या मजबूरी थी कि राहुल गांधी ने अपना मोबाइल जमा नहीं करवाया। वह नेता जो भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर है, ऐसा क्या था उनके मोबाइल में जो उनको अब तक छिपाना पड़ रहा है। उन्होंने और अन्य नेताओं ने अपना मोबाइल जमा क्यों नहीं करवाया। खेल मंत्री ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा, कि दुनियाभर में मोदीजी के नेतृत्व में भारत के प्रति जो सम्मान बढ़ा है, वह आज कोई और नहीं, दुनियाभर के नेता कह रहे। राहुलजी किसी और की नहीं, इटली की प्रधानमंत्री और उनके नेताओं की ही सुन लेते। इटली की पीएम ने कहा कि दुनियाभर में मोदीजी को जो प्यार मिलता है, जिस तरह वह दुनिया के लोकप्रिय नेता बन कर उभरे हैं। आज वह एक बड़े लीडर हैं। ये शायद राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी स्वीकार नहीं कर पा रही है।

होली बाद होगी सुप्रीम कोर्ट में हिजाब विवाद की सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक हिजाब मामला तुरंत सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है। एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ से कहा कि हिजाब की अनुमति न होने के कारण कई लड़कियां 9 मार्च से शुरू होने वाली परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगी।

इसपर जवाब देते हुए सीजेआई ने कहा,कि होली की छुट्टी के बाद सुनवाई के लिए बेंच का गठन करेंगे। दरअसल, होली के कारण 12 मार्च तक सुप्रीम कोर्ट में छुट्टी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह एक बेंच का गठन करेगा और कर्नाटक में 5 दिनों के बाद होने वाली परीक्षा में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने की याचिका पर सुनवाई करेगा। कोर्ट का कहना है कि वह मामले को होली के बाद सूचीबद्ध करेगी।

नगर निगम व एलडीए की मिलीभगत से बन गयी नाले के ऊपर अवैध मार्केट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नगर निगम जोन 2 थाना नाका क्षेत्र के अन्तर्गत हैदर कैनाल नाले पर अवैध रूप से बहुमंज़िला मार्केट बनाई गई हैं। बिल्डर को ज़मीन नहीं मिली तो नाले पर ही खड़ी कर दी अवैध इमारत। मार्केट बनाने का काम दिनों रात जोरो शोरों से किया जा रहा हैं और प्रशासनिक अधिकारी बिल्डर पर मेहरबान होने के कारण कोई भी करवाई नहीं कर रहे हैं।

शहर में बढ़ते हादसों से भी नगर निगम और एलडीए के अधिकारी सबक़ नहीं ले रहे हैं। नाले के ऊपर अवैध रूप से बन रही मार्केट में कल को अगर कोई हादसा होता हैं तो इसका जिम्मेदार कौन होगा इसका भी कोई अता पता नहीं। नगर निगम ज़ोन 2 के ज़ोनल अधिकारी नंद किशोर को यह भनक तक नहीं हैं कि उनके क्षेत्र में इतना बड़ा अवैध निर्माण हो जाता हैं। मानकों को ताख पर रख कर बन रहीं इस अवैध बिल्डिंग ने प्रशासन की आँखों पर लगे काले चश्मे पर सैकड़ों सवाल खड़े कर दिये हैं।

विशेषाधिकार हनन मामले में रिटायर्ड आईएएस समेत छह पुलिसकर्मियों को एक दिन की सजा

» विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा-आने वाली पीढ़ियों के लिए यह एक उदाहरण बनेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधायक सलिल विश्नोई के विशेषाधिकार हनन के मामले में विधानसभा ने रिटायर्ड आईएएस अब्दुल समद समेत छह पुलिसकर्मियों को आज रात 12 बजे तक के कारावास की सजा सुनाई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह एक उदाहरण बनेगा। वाकया 15 सितम्बर 2004 का है।

कानपुर के तत्कालीन विधायक जो हाल में विधान परिषद सदस्य हैं सलिल विश्नोई ने बिजली आपूर्ति को लेकर धरना दिया था और डीएम को ज्ञापन देना चाहते थे। उसी दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके साथ अभद्रता और गाली-गलौच कर अपमानित करते हुए लाठियां बरसाईं। यह मामला विशेषाधिकार समिति के सामने आया। परीक्षण और अवलोकन के पश्चात 28 जुलाई 2005 को समिति ने आरोपी पुलिसकर्मियों को दोषी करार दिया। इस प्रकरण को विधानसभा में पेश किया गया। आज सभी आरोपी विधानसभा में पेश हुए । विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपना निर्णय सुनाया कि तत्कालीन कानपुर नगर के क्षेत्राधिकारी बाबू पुरवा अब्दुल समद, थाना प्रभारी थाना किदवई नगर कानपुर नगर ऋषि कांत शुक्ला, काका देवा उपनिरीक्षक त्रिलोकी सिंह, कांस्टेबल छोटे सिंह, विनोद मिश्रा एवं कांस्टेबल मेहरबान यादव को 1 दिन के कारावास की सजा सुनाई जाए। इन सभी को विधान सभा स्थित लॉकअप में आज रात 12 तक रखा जाएगा।

मेघालय में कोनराड संगमा होंगे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिलांग। मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी एक बार फिर से सरकार बनाने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी ने उसे अपना समर्थन दे दिया है। मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने शुक्रवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया और नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

» भाजपा ने एनपीपी को समर्थन दिया

कोनराड के संगमा ने कहा, कि भाजपा ने हमें अपना औपचारिक समर्थन दिया है। हम राज्यपाल से मिलेंगे और उनसे अनुरोध करेंगे कि वह हमें बुलाएं और सरकार बनाने के लिए नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को आमंत्रित करें। भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया है। हमारे पास सरकार बनाने के लिए संख्या है। कोनराड संगमा ने कहा कि हमें सूचित किया गया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शायद पीएम मोदी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। हम पीएमओ से पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।